PANDIT DEENDAYAL UPADHYAYA SHEKHAWATI UNIVERSITY, SIKAR

SYLLABUS

(Three/Four Year Under Graduate Programme in ARTS)

HINDI LITERATURE

I & II Semester

Examination- 2023-24

As per NEP- 2020

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

बी. ए. प्रथम सेमेस्टर (हिंदी साहित्य)

प्रश्न पत्र–आदिकाव्य एवं भक्तिकाव्य

01 क्रेडिट – 25 अंक
पूर्णांक – 150 अंक (06 क्रेडिट)
प्रश्न पत्र – 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – 30 अंक

समय : 03:00 घंटे

उद्देश्य (Objectives)	1. विद्यार्थियों को आदिकाल और भक्ति काल की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, साहित्यिक इत्यादि परिस्थितियों से अवगत कराना। 2. आदिकालीन और भक्तिकालीन काव्य तथा कवियों का परिचय कराना। 3. आदिकालीन साहित्य के स्वरूप, भाषा एवं शैली की विकास यात्रा से अवगत कराना। 4. भक्तिकालीन साहित्य और भक्ति आंदोलन की अवधारणा स्पष्ट करना। 5. विद्यार्थियों में संवेदनात्मक अनुभूति विकसित करना।
अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes)	1. आदिकालीन परिवेश – राजनीतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक इत्यादि परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे। 2. आदिकालीन शोध की नवीन दृष्टि का विकास हो सकेगा। 3. भक्ति काल की सामान्य परिस्थितियों तथा विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे। 4. प्रमुख भक्त कवियों और उनकी रचनाधर्मिता से परिचित हो सकेंगे।

प्रश्न पत्र : अंक विभाजन

प्रश्न पत्र तीन खंडों (अ, ब, स) में विभक्त है।
खंड – अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरीय प्रश्न है, जिसमें संपूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा।
खंड – ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2, 3, 4, 5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें इकाई संख्या 2, इकाई संख्या 3 एवं इकाई संख्या 4 में निर्धारित पाठ से कुल 04 काव्यांश (एक कवि से एक) आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।
खंड –स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6, 7, 8, 9 कुल चार निबंधात्मक प्रश्न है, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

इकाई –1

आदिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां, आदिकालीन साहित्य की अंतरधाराएं (सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य एवं रासो साहित्य)।
भक्तिकाव्य की प्रमुख परिस्थितियां एवं प्रवृत्तियां, भक्ति काव्य की प्रमुख अंतरधाराएं (संत काव्य, सूफी काव्य, कृष्ण काव्य एवं राम काव्य)।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

इकाई –2

ढोला मारू रा दूहा : संपादक– नरोत्तम दास स्वामी
– दोहा संख्या 119 से 133 तक

विद्यापति : संपादक – शिवप्रसाद सिंह : विद्यापित पदावली
– नन्दक नन्दन
– सुन जसिया ऊबन बजाऊ बिपिन बंसिया
– विरह व्याकुल मृदुल तरूवर
– कुंज भवन से चल भेलि हे
– सखि हे कतऊं न देख मधाई

चन्दबरदाई : पृथ्वीराज रासो – संपादक–हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह
– कैमास करनाटी प्रसंग 1–8 छंद

इकाई –3

कबीरदास : कबीर ग्रंथावली – संपादक – डॉ. श्यामसुंदर दास
– विरह को अंग, साखी सं.7,8,9,11,12,13, 14, 15, 16, 17
पद – दुलहनी गावहु मंगलाचार
– गोविन्द हम ऐसे अपराधी
– पंडित बाद बदन्ते झूठा
– कोई जाणैगा जाणनहारा
– मरम न जाने मिलन गोपाला

जायसी – जायसी ग्रंथावली, सं. – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
– नागमती – वियोग खंड, प्रथम 5 पद

तुलसीदास : कवितावली – गीता प्रेस गोरखपुर
छंद– पुरते निकसी रघुवीर वधू
– जल को गए लक्खन है लरिका
– रानी मैं जानि अजानी महा
– सुन सुंदर बैन सुधारस साने,
– कोपि दशकंध तव प्रलय पयोध बोले
– पावक, पवन, पानी भानू हिम कातु जम्मु
– गजबाजि घटा भलै भूरि मरा
– राज सुरेस पचासक कौ, विधि के मसक

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

इकाई –4

सूरदास : भ्रमरगीत सार – सं. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

पद – ऊधो अखियां अति अनुरागी
– उपमा एक न नैन गही
– ऊधो मन नाहीं दस–बीस
– निर्गुण कौन देस को वासी
– हमारे हरि हारिल की लकरी
– उर में माखन चोर गड़े
– मधुकर श्याम हमारे चोर
– ऊधो भली करी ब्रज आए
– बिन गोपाल बैरिन भई कुंजै
– लखियत कालिन्दी अति कारी

मीरां – मीरा मुक्तावली, सं. – नरोत्तम दास स्वामी
– पद संख्या – 14,15,16,20,23,28,31,32

आंतरिक मूल्यांकन हेतु किन्हीं दो विषयों पर निबंध लेखन (संभावित विषय)

–आदिकाल का सीमांकन एवं नामकरण
–भक्ति के उदय संबंधी विभिन्न मत
–भक्ति के निर्गुण एवं सगुण रूपों का तुलनात्मक विवेचन
–निर्गुण पंथ और कबीरदास
–तुलसीदास के 'रामचरितमानस' का महत्व
–सूरदास का वात्सल्य वर्णन
–सूफी मत की विशेषताएं या
–रसखान का कृष्ण प्रेम
–मीरा की विरह वेदना

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल– नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्य के इतिहास – डॉ. नगेंद्र –संपादित नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह– राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली
4. हिंदी सूफी काव्य की भूमिका – राम पूजन तिवारी

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

बी. ए.(हिन्दी साहित्य) –द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्न पत्र–कहानी एवं उपन्यास

समय : 03 घंटे

01 क्रेडिट – 25 अंक
पूर्णांक – 150 अंक (06 क्रेडिट)
प्रश्न पत्र – 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – 30 अंक

उद्देश्य (Objectives)	1. विद्यार्थियों में कल्पना शक्ति और विश्लेषणात्मक योग्यता का विकास करना। 2. कथा साहित्य के विश्लेषण की समझ और संवेदनात्मक अनुभूति का विकास करना। 3. प्रमुख कथाकारों और उनकी रचनाधर्मिता का परिचय कराना। 4. कहानी तथा उपन्यास कला को विकसित करना।
अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes)	1. जीवन की यथार्थ अनुभूति से परिचय हो सकेगा। 2. कथा लेखन तथा उसके प्रभाव का विश्लेषण संभव हो सकेगा। 3. आदर्श नागरिक बन सकेंगे। 4. आत्माभिव्यक्ति की भावना विकसित हो सकेगी तथा भावी लेखन की पृष्ठभूमि का विकास हो सकेगा।

प्रश्नपत्र : अंक विभाजन

प्रश्नपत्र तीन खंडों (अ, ब, स) में विभक्त हैं।

खंड – अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरीय प्रश्न है, जिसमें संपूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा।

खंड – ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2, 3, 4, 5 कुल चार सप्रसंग व्याख्या के हैं, जिसमें इकाई संख्या 2 एवं इकाई संख्या 3 में निर्धारित पाठ से एक–एक (एक कहानी से) तथा इकाई संख्या 04 से दो अवतरण (उपन्यास से) आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

खंड –स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6, 7, 8, 9 कुल चार निबंधात्मक प्रश्न हैं, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

इकाई – 1

कहानी– परिभाषा एवं तत्व, हिंदी कहानी उद्भव एवं विकास के प्रमुख चरण
उपन्यास– परिभाषा एवं तत्व, हिंदी उपन्यास उद्भव एवं विकास के प्रमुख चरण

इकाई – 2

चंद्रधर शर्मा गुलेरी– उसने कहा था
प्रेमचंद– पूस की रात
जयशंकर प्रसाद– आकाशदीप
रांगेय राघव– गदल
फणीश्वर नाथ रेणु– तीसरी कसम

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

इकाई – 3

जैनेंद्र– पाजेब
मोहन राकेश– मलबे का मालिक
अमरकांत– जिंदगी और जोंक
निर्मल वर्मा– परिंदे

इकाई – 4

आपका बंटी (उपन्यास) – मन्नू भंडारी

आंतरिक मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन हेतु किन्हीं दो विषयों पर निबंध लेखन (संभावित विषय) :
कहानी एवं उपन्यास में स्वरूपगत समानता एवं अंतर
हिंदी कहानी के प्रमुख आंदोलन (नई कहानी, सचेतन कहानी, समानांतर कहानी, साठोत्तरी कहानी, समकालीन कहानी
प्रेमचंद की कहानी कला
पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक कहानी की मूल संवेदना एवं शिल्प विधान
उपन्यास के प्रकार– सामाजिक, ऐतिहासिक, राजनीतिक, मनोवैज्ञानिक
हिंदी उपन्यास के विकास के चरण
हिंदी उपन्यास परंपरा में प्रेमचंद का महत्व
अनुशंसित ग्रंथ –

1. आपका बंटी – मन्नू भंडारी
2. मानसरोवर भाग – 1 –प्रेमचंद
3. हिंदी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी साहित्य एवं संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. कहानी – नई कहानी – नामवर सिंह,
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)